

GENERAL ADMINISTRATION (SERVICES)

The 8th May, 1984

No. 50/27/84-S(I).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 20 of the Code of Criminal Procedure, 1973 the Governor of Haryana is pleased to appoint Shri J. K. Gupta, Additional Deputy Commissioner-cum-Chief Executive Officer, District Rural Development Agency, Sonapat as an Executive Magistrate in the Sonapat district from the date of his taking over charge of such duties in the district.

A. N. MATHUR,

Joint Secretary.

HOME (POLICE) DEPARTMENT

The 8th May, 1984

No. 5800-A-SAI Leave.—The Governor of Haryana is pleased to accord ex-post facto sanction to the grant of 12 days earned leave from 16th April, 1984 to 27th April, 1984 with permission to prefix 13-15th April, 1984 and suffix 28-29th April, 1984 being gazetted holidays to Shri Rajeev Sagar Sharma, IPS., Additional Superintendent of Police, Hissar under rule 11 of the A.I.S. (Leave) Rules, 1955.

After the expiry of the above earned leave, Shri Rajeev Sagar Sharma returned to the same post.

L. C. GUPTA,

Financial Commissioner and Secretary to Government Haryana,
Home Department.

FINANCIAL COMMISSIONER'S OFFICE HARYANA

The 26th April, 1984

Correction Slip No. 16/LRM

(The Punjab Land Records Manual)

Chapter No. 9

Harvest Inspection

Add the following words after the word "15th April" occurring in third line of second para of paragraph 9.1 :—

"If extra Kharif crops, such as Toria, Potatoes and vegetables etc. are grown, which cannot be observed in October, he shall make an inspection on these immediately after the 15th November. This Zaid Kharif Girdawari should be started after 15th November and its abstract should be sent to Tehsil Office upto 31st January so that Girdawari of the crops maturing after Girdawari of Kharif crops, should be completed upto 31st January."

L. C. GUPTA,

Financial Commissioner and Secretary to
Government, Haryana, Revenue Department.

FINANCE DEPARTMENT

The 3rd May, 1984.

No. 185-2FD-III-84.—In exercise of the powers conferred by clause (2) of article 283 of the Constitution of India, and all other powers enabling him in this behalf, the Governor of Haryana hereby makes the following rules further to amend the Punjab Financial Rules, Volume I, in its application to the State of Haryana, namely:—

1. These rules, may be called the Punjab Financial Volume I (Haryana Second Amendment) Rules, 1984.

2. In the Punjab Financial Rules, Volume I, in rule 19.6 against serial No. 132, under column 4, in clause (c) for sub-clauses (i) and (ii), the following sub-clauses shall be substituted, namely :—

- (i) Unskilled persons upto Rs. 8/- per day or the rates fixed by the Deputy Commissioner, which ever is higher.
- (ii) Skilled persons upto Rs. 11 per day or the rates fixed by the Deputy Commissioner, which ever is higher.

Subject to a maximum of twenty-eight times of daily wages per mensum.”

M. C. GUPTA,

Commissioner & Secretary to Government, Haryana,
Finance Department.

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 3 मई, 1984

क्रमांक 473-ज(II)-84/12433.--श्री रामदास, पुत्र श्री नन्दहराम, गांव निरजन, तहसील बजना जिला, जिन्दा, की दिनांक 26 मई, 1983 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री रामदास को मुक्ति 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 2027-ज-II-77/662, दिनांक 6 जनवरी, 1978, तथा 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, एवं उसकी विधवा श्रीमती कनकदेवी के नाम खरीफ, 1984 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अनुसार संपूर्ण प्रदान करते हैं।

क्रमांक 418-ज(II)-84/12436.--श्री पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्रीमती सरजन देवी, विधवा श्री जागे राम, गांव खरहर, तहसील बहादुरगढ़, जिला रोहतक को रबी, 1977 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार संपूर्ण प्रदान करते हैं।

क्रमांक 537-ज(II)-84/12493.--श्री मोहु सिंह, पुत्र श्री हरदयाल सिंह, गांव माजरा (दूबतवन), तहसील सज्जर जिला रोहतक की दिनांक 29 जनवरी, 1982 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री मोहु सिंह को मुक्ति 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 46-ज-II-83/4263, दिनांक 8 फरवरी, 1983 द्वारा मंजूर की गई थी, एवं उसकी विधवा श्रीमती सरवणा के नाम खरीफ, 1982 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अनुसार संपूर्ण प्रदान करते हैं।

क्रमांक 570-ज(II)-84/12494.--श्री पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री सिंह राम, पुत्र श्री पन्ना लाल, गांव नहलगढ़ गामड़ी, तहसील कोसली, जिला रोहतक को खरीफ, 1975 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार संपूर्ण प्रदान करते हैं।

टी० आर० तुली,

अवर सचिव, हरियाणा सरकार,
राजस्व विभाग।